Santoshi Mata Aarti

।। जय संतोषी माँ ।।

जय सन्तोषी माता, मैया जय सन्तोषी माता ।
अपने सेवक जन की सुख सम्पति दाता ।
मैया जय सन्तोषी माता । 1 |

सुन्दर चीर सुनहरी माँ धारण कीन्हो
मैया माँ धारण कींहो
हीरा पन्ना दमके तन शृंगार कीन्हो
मैया जय सन्तोषी माता । 2 |

गेरू लाल छटा छबि बदन कमल सोहे
मैया बदन कमल सोहे
मंद हँसत करुणामयि त्रिभुवन मन मोहे
मैया जय सन्तोषी माता । 3 |

स्वर्ण सहिासन बैठी चँवर डुले प्यारे
मैया चँवर डुले प्यारे
धूप दीप मधु मेवा, भोज धरे न्यारे
मैया जय सन्तोषी माता । 4 |

गुड़ और चना परम प्रयि ता में संतोष कयिो
मैया ता में सन्तोष कयिो
संतोषी कहलाई भक्तन वभिव दयिो
मैया जय सन्तोषी माता । 5 |

शुक्रवार प्रयि मानत आज दविस सो ही,
मैया आज दविस सो ही
भक्त मंडली छाई कथा सुनत मो ही
मैया जय सन्तोषी माता । 6 |

मंदरि जग मग ज्योति मंगल ध्वनि छाई
मैया मंगल ध्वनि छाई
बनिय करें हम सेवक चरनन सरि नाई
मैया जय सन्तोषी माता । 7 |

भक्ति भावमय पूजा अंगीकृत कीजै
मैया अंगीकृत कीजै
जो मन बसे हमारे इच्छति फल दीजै
मैया जय सन्तोषी माता । 8 |

दुखी दरद्रिी रोगी संकट मुक्त कयि
मैया संकट मुक्त कयि
बहु धन धान्य भरे घर सुख सौभाग्य दयि
मैया जय सन्तोषी माता । 9 |

ध्यान धरे जो तेरा वाँछति फल पायो
मनवाँछति फल पायो
पूजा कथा श्रवण कर घर आनन्द आयो

मैया जय सन्तोषी माता । 10 |

चरण गहे की लज्जा रखियो जगदम्बे
मैया रखियो जगदम्बे
संकट तू ही निवारे दयामयी अम्बे
मैया जय सन्तोषी माता । 11 |

सन्तोषी माता की आरती जो कोई जन गावे
मैया जो कोई जन गावे
ऋद्धि सिद्धि सुख सम्पत्ति जी भर के पावे
मैया जय सन्तोषी माता । 12 |